अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - "डॉ. शंकर शेष : व्यक्तित्व और कृतित्व"

1.1	*जीवन परिचय*	पृ. 1 - 16
1.1.1	पारिवारिक परिवेश	
1.1.2	शिक्षा	
1.1.3	साहित्य सृजन प्रारंभ	
1.1.4	अर्थोपार्जन	
1.2	*व्यक्तित्व*	
1.2.1	संघर्षमय जीवन	
1.2.2	संवेदनशील और विनम्र	
1.2.3	जिंदादिल और आतिथ्यशील	
1.2.4	अध्ययनशील	
1.2.5	प्रभावी वक्ता	
1.2.6	ज्ञानलिप्सा	
1.2.7	हँसमुख	
1.2.8	आत्मपरिक्षण भाव	
1.3	*कृतित्व*	
1.4	*साहित्य संपदा*	
	निष्कर्ष	

द्वितीय अध्याय-"डॉ. शंकर शेष के नाटकों का सामान्य परिचय"

2.1	*मूर्तिकार*	पृ. 17-37

2.2	रत्नगर्भा
2.3	नयी सभ्यता के नये नमूने
2.4	बेटों वाला बाप
2.5	तिल का ताड
2.6	बिन बाती के दीप
2.7	बाढ़ का पानी
2.8	बंधन अपने अपने
2.9	खजुराहो का शिल्पी
2.10	फंदी
2.11	कालजयी
2.12	अरे मायावी सरोवर
2.13	रक्तबीज
2.14	राक्षस
2.15	चेहरे
2.16	कोमल गांधार
2.17	आधी रात के बाद
2.18	त्रिकोण का चौथा कोण
2.19	एक और द्रोणाचार्य
2.20	घरौंदा
2.21	पोस्टर
	निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - "समस्याएँ स्वरुप वर्गीकरण एवं विशेषताएँ"

3.1 *समस्या : अर्थ* पृ. 38-47

3.2 *समस्या : स्वरुप*

3.3 *समस्या : आधुनिक समाज*

3.4 *समस्या : आधुनिक हिंदी नाटक*

3.5 *समस्या : वर्गीकरण*

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - "डॉ. शंकर शेष के आलोच्य नाटकों में चित्रित समस्याएँ"

अ) घरौंदा ब) एक और द्रोणाचार्य क) पोस्टर

4.1 *पारिवारिक समस्या* पृ. 48-111

4.1.1 मकान की समस्या

4.2 *आर्थिक समस्या*

4.2.1 गरीबी की समस्या

4.2.2 महँगाई की समस्या

4.2.3 बेरोजगारी की समस्या

4.2.4 भ्रष्टाचार की समस्या

4.2.5 आर्थिक शोषण की समस्या

4.3 *नारी समस्या*

4.3.1 यौन शोषण

4.3.1.1	आदिवासी नारी
4.3.1.2	देहाती नारी
4.3.1.3	मध्यवर्गीय नारी
4.3.1.4	राजवंशीय नारी
4.3.1.5	महानगरीय नौकरपेशा नारी
4.3.2	दहेज समस्या
4.4	***वर्तमान शिक्षा पद्धति : समस्या***
4.4.1	निरक्षरता की समस्या
4.4.2	शिक्षा और राजनीति गठजोड : समस्या
4.5	***मूल्य विघटन : समस्या***
4.5.1	आदर्शों की कमी
4.5.2	व्यक्तिगत मूल्यों का गिरता स्तर
4.5.3	नपुंसक बुध्दिवादी
4.5.4	बदलते मुखौटे
4.5.5	कर्तव्यविन्मुखता
4.5.6	मूल्यहीन राजनीति
4.5.7	पथभ्रष्ट अखबार
4.5.8	भोगवादी संस्कृति
4.5.9	प्रेम भावना का इस्तेमाल
4.5.10	अर्थ-लिप्सा
4.6	***वर्ग संघर्ष समस्या***
4.6.1	अर्थ का आधार
4.6.2	नारी यौन शोषण का प्रतिकार

4.6.3	नक्सलवादी आंदोलन
4.6.4	मध्यवर्ग की अकर्मण्यता
4.6.5	जातिभेद
4.6.6	दिशाहीन-साजिश
4.7	***धार्मिक समस्या***
4.7.1	अज्ञान
4.7.2	धार्मिक शोषण
4.7.3	धर्मांधता
4.7.4	अंधश्रध्दा
4.7.5	मानवतावादी धर्म
4.8	***न्याय कानून की समस्या***
4.8.1	शोषकों से सहयोग
4.8.2	जनता में अविश्वास
4.8.3	लालफिताशाही
4.8.4	गुंडाराज
4.8.5	विवशता
4.9	***क्रूरता भरी महत्वाकांक्षा की समस्या***
4.9.1	बदले की भावना
4.9.2	अहंकारी वृत्ति
4.9.3	पद और प्रतिष्ठा का लालच
4.9.4	स्वार्थ की पराकाष्ठा
4.10	***व्यवस्था का दमनचक्र : समस्या***
4.10.1	गुंडागर्दी

4.10.2 अर्थ व्यवस्था

4.10.3 धर्म व्यवस्था

4.10.4 सत्ता

4.10.5 आतंक

4.10.6 विद्रोह

4.11 ***मनोवैज्ञानिक समस्या***

4.11.1 अतृप्ति

4.11.2 आत्मसमर्पन वृत्ति

4.11.3 कुंण्ठा

4.11.4 संस्कार

4.11.5 घुटन

4.11.6 'अस्तित्व' भाव

4.11.7 संदेह

4.11.8 विवशता

4.11.9 'लघुता' का एहसास

4.11.10 वितृष्णा, विक्षोभ एवं ग्लानी

4.11.11 लालसा

4.11.12 निलिप्तता - मनोबल का अभाव -

पंचम अध्याय - "डॉ. शंकर शेष के आलोच्य नाटकों में चित्रित समस्याओं का तौलनिक अध्ययन"

5.1 ***पारिवारिक समस्या*** पृ.112-134

5.2 ***आर्थिक समस्या***

5.3 नारी समस्या

5.4 वर्तमान शिक्षा पध्दति : समस्या

5.5 मूल्य विघटन : समस्या

5.6 वर्गसंघर्ष : समस्या

5.7 धार्मिक समस्या

5.8 न्याय कानून की समस्या

5.9 'क्रूरता भरी महत्वाकांक्षा' की समस्या

5.10 व्यवस्था का दमनचक्र की समस्या

5.11 मनोवैज्ञानिक समस्या

निष्कर्ष

उपसंहार पृ.135- 141

परिशिष्ट

संदर्भ ग्रंथ सूची पृ.142- 144